परिवार का महत्व

हमारी स्वयं अपनी स्वतंत्र पहचान होने हुए भी हम समाज के एक स्वतंत्र जीव मात्र नहीं है, हमारा जीवन भावनाओं, संस्कारों, परम्पराओं, जीवन मूल्यों सहजीवन की जरूरतों के कारण अनेक बन्धनों में बंधा होता है।

संम्बन्ध ऐसे ही कुछ बंधन है, जिनसे हम किसी कारण बंधे होते है। सम्बन्ध जिम्मेदारी, प्रतिबद्धता व लगाव का प्रतिरूप है। कुछ सम्बन्ध नैसर्गिक होते है, तो कुछ सम्बन्ध जरूरत की पूर्ति के साथ बनते जाते है।

यदि हम कुछ छोटी छोटी क्रियाओं के माध्यम जैसे छोटे बड़े भाइओं का ध्यान रखकर अपने घर व घर के बाहर की अपनी भूमिका के प्रति सजग रहकर घर के कुछ छोटे बड़े काम करके हम अपने माता पिता व अन्य सदस्यों को आराम व खुशी दे सकते है तो हमारे परिवार का पूरा परिदृश्य ही बदल जाता है।

अतः हमें परिवार में सुखद और शांत वातावरण बनाए रखने के लिए सकारात्मक और सहयोगात्मक योगदान करना चाहिये। परिवार समाज की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

व्यक्तियों से परिवार बनता है। व परिवारों से समाज का निर्माण होता है इसी प्रकार समाज व्यापक रूप में राष्ट्र का निर्माण करता है।